Seventeenth Loksabha

p>

Title: Request to declare th fort of Kherla, Shergach, Asirgarh, Chicholi as a tourist place.

श्री दुर्गा दास उईके (बैतूल): आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने बोलने के लिए अवसर दिया, इसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं ।

मैं जनजातीय बहुल बैतूल, हरदा, हरसुद जनजातीय संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं । मेरे लोक सभा क्षेत्र में मूलत: गोंड और कोरकू जनजातियां निवास करती हैं । इन जातियों का गौरवशाली इतिहास रहा है । मध्य प्रदेश में लगभग 52 गढ़ों और किलों में इनका शासन रहा है । मेरे लोक सभा क्षेत्र बैतूल, हरदा, हरसुद में चार किले आज भी जीर्ण-शीर्ण स्थिति में खड़े हैं । शासन-प्रशासन की ओर से घोर उपेक्षा के कारण जिले की धरोहर, गढ़-किले, पुरातन वैभव को प्रदर्शित करने वाली प्रतिमाएं, कलाकृतियां और ऐतिहासिक स्थल संरक्षण-अभिवर्धन की आस लगाए बैठे हैं । आदिवासी राजतंत्र कालीन धरोहरों जैसे ऐतिहासिक गढ़-किलों का संरक्षण न होने के कारण आदिवासी समाज व्यथित एवं आक्रोशित है ।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से भारत शासन, माननीय मंत्री, संस्कृति, पर्यटन एवं पुरातत्व मंत्रालय से विनम्र अनुरोध करता हूं कि मध्य प्रदेश एवं बैतूल जिले के लाखों आदिवासी भाई-बहनों की भावनाओं का सम्मान करते हुए बैतूल के खेड़ला किला, प्रभापट्टन का शेरगढ़ किला, घोड़ाडूंगरी का असीरगढ़ किला, चिचोली का किला एवं अन्य पुरातात्विक ऐतिहासिक गौरवशाली स्थलों का संरक्षण कर, इन्हें पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करें, ताकि आदिवासी समाज आत्म-गौरव का अनुभव कर सके और बढ़-चढ़कर राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में अपना अमूल्य योगदान प्रदान कर सके ।

माननीय अध्यक्ष जी, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया । धन्यवाद, जय हिन्द ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री दुर्गा दास (डी.डी) उईके द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।